"**रिच डैड पुअर डैड**" (Rich Dad Poor Dad) Rich Dad Poor Dad, जिसे Robert T. Kiyosaki ने लिखा है, व्यक्तिगत वित्त (Personal Finance) पर सबसे लोकप्रिय पुस्तकों में से एक है। यह किताब सिखाती है कि पैसे के लिए काम करने के बजाय **पैसों को अपने लिए काम पर कैसे लगाया जाए।**

किताब का सार (Hindi Summary)

किताब में दो अलग-अलग सोच वाले "पिता" का ज़िक्र है:

- **Poor Dad (गरीब पापा):** लेखक के असली पिता, जो पढ़े-लिखे थे, अच्छी नौकरी करते थे, लेकिन आर्थिक रूप से संघर्ष करते रहे।
- **Rich Dad (अमीर पापा):** लेखक के दोस्त के पिता, जिनके पास व्यवसाय और निवेश थे। उन्होंने लेखक को धन बनाने की सोच सिखाई।

लेखक का मुख्य संदेश है कि **अमीर लोग पैसे के बारे में अलग तरह से सोचते हैं।**

---

1. अमीर लोग संपत्ति (Assets) खरीदते हैं, गरीब लोग खर्च (Liabilities)

आसान उदाहरण

मान लीजिए राहुल हर महीने ₹50,000 कमाता है।

राहुल ने बाइक खरीदी:

- EMI: ₹6,000 प्रति माह
- पेट्रोल और सर्विस: ₹3,000
- कुल खर्च: ₹9,000

बाइक उसे पैसा नहीं कमाकर देती, बल्कि खर्च बढ़ाती है। इसलिए किताब के अनुसार यह **Liability** है।

दूसरी तरफ:
राहुल ₹50,000 शेयर, म्यूचुअल फंड या किराये पर देने योग्य संपत्ति में निवेश करता है।

यदि उससे हर महीने ₹2,000–₹5,000 की आय आने लगे, तो वह **Asset** कहलाएगा।

सीख:

Asset आपकी जेब में पैसा डालता है।
Liability आपकी जेब से पैसा निकालता है।

---

2. पैसे के लिए मत काम करो, पैसे को अपने लिए काम करने दो

अधिकांश लोग:

- नौकरी करते हैं
- वेतन मिलता है
- पूरा पैसा खर्च कर देते हैं

अमीर लोग:

- आय का कुछ हिस्सा निवेश करते हैं
- निवेश से नई आय बनाते हैं
- उसी आय से और निवेश करते हैं

उदाहरण

यदि सीमा हर महीने ₹10,000 निवेश करती है और उससे मिलने वाला रिटर्न भी दोबारा निवेश करती रहती है, तो समय के साथ उसका निवेश बढ़ता जाता है। इसे **compounding** का प्रभाव कहा जाता है।

---

3. Financial Education सबसे ज़रूरी है

स्कूल हमें गणित और विज्ञान सिखाते हैं, लेकिन अक्सर यह नहीं सिखाते कि:

- पैसा कैसे बचाएँ
- निवेश कैसे करें
- टैक्स कैसे समझें
- व्यवसाय कैसे चलाएँ

उदाहरण

दो लोग ₹80,000 कमाते हैं:

- पहला व्यक्ति पूरा पैसा खर्च कर देता है।
- दूसरा ₹20,000 नियमित रूप से निवेश करता है।

कुछ वर्षों बाद, दोनों की आय समान होने के बावजूद उनकी आर्थिक स्थिति अलग हो सकती है।

---

4. कई आय स्रोत (Multiple Income Sources) बनाइए

सिर्फ नौकरी पर निर्भर रहना जोखिम भरा हो सकता है।

अतिरिक्त आय के स्रोत हो सकते हैं:

- किराया
- डिविडेंड
- व्यवसाय
- रॉयल्टी
- ऑनलाइन उत्पाद या सेवाएँ

उदाहरण

अंजलि:

- नौकरी से ₹60,000
- फ्रीलांस काम से ₹20,000
- निवेश से ₹5,000

यदि नौकरी चली जाए, तो उसके पास अन्य आय स्रोत बने रहते हैं।

---

5. डर और लालच पर नियंत्रण रखें

बहुत से लोग:

- नुकसान के डर से निवेश नहीं करते।
- जल्दी अमीर बनने के लालच में बिना समझे निवेश कर देते हैं।

किताब सलाह देती है कि पहले सीखें, फिर निर्णय लें।

उदाहरण

यदि कोई बिना जानकारी के केवल "दोस्त ने बताया" कहकर निवेश कर देता है, तो नुकसान का जोखिम बढ़ सकता है।

---

6. खुद में निवेश करें

सबसे अच्छा निवेश अक्सर अपनी शिक्षा, कौशल और अनुभव में होता है।

उदाहरण

यदि कोई व्यक्ति ₹30,000 का डिजिटल मार्केटिंग या प्रोग्रामिंग कोर्स करता है और उससे उसकी आय बढ़ जाती है, तो यह लंबे समय में लाभदायक निवेश हो सकता है।

किताब की मुख्य सीख

- आय से कम खर्च करें।
- पहले Asset बनाइए।
- निवेश करना सीखिए।
- केवल नौकरी पर निर्भर मत रहिए।
- वित्तीय शिक्षा को महत्व दीजिए।
- दीर्घकालिक सोच विकसित कीजिए।

एक सरल वास्तविक उदाहरण

दो दोस्त हैं — **रोहित** और **मोहित**।

रोहित

- वेतन: ₹70,000
- नई कार की EMI: ₹20,000
- महंगे गैजेट्स और शॉपिंग
- बचत: लगभग नहीं

मोहित

- वेतन: ₹70,000
- ₹20,000 हर महीने निवेश
- खर्च नियंत्रित
- समय के साथ निवेश से अतिरिक्त आय बनने लगती है

कुछ वर्षों बाद, मोहित के पास ऐसे निवेश हो सकते हैं जो आय उत्पन्न करें, जबकि रोहित अभी भी EMI और खर्चों में व्यस्त हो सकता है।

निष्कर्ष:-

इस पुस्तक का सबसे महत्वपूर्ण संदेश है:

"अमीर बनने की शुरुआत अधिक कमाई से नहीं, बल्कि सही वित्तीय सोच और अनुशासित निवेश से होती है।"

यह ध्यान रखना भी महत्वपूर्ण है कि पुस्तक में दिए गए कई विचार प्रेरणादायक और सोच बदलने वाले हैं, लेकिन कुछ वित्तीय विशेषज्ञ इसकी कुछ सलाहों (जैसे Asset/Liability की सरल परिभाषा) को बहुत सरलीकृत मानते हैं। इसलिए इस पुस्तक को व्यक्तिगत वित्त की शुरुआत के रूप में पढ़ना उपयोगी है, लेकिन निवेश के निर्णय लेते समय अतिरिक्त जानकारी और शोध भी करना चाहिए।